भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 3829

उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 16 मार्च, 2026

25 फाल्गुन, 1947 (शक)

आदिचनाल्लूर पुरातात्विक स्थल का विकास

3829. **श्री ईश्वरस्वामी के.** :

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बजट 2026 के अंतर्गत पुरातात्विक स्थलों के विकास के लिए अनुमोदित किए जा रहे स्थलों का ब्यौरा क्या है और उनके चयन के लिए अपनाए गए मानदंड क्या हैं तथा स्थल-वार कितनी धनराशि आवंटित की गई है;

(ख) क्या तमिलनाडु में आदिचनाल्लूर पुरातात्विक स्थल को उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले पांच वर्षों के दौरान उक्त स्थल के विकास और संरक्षण के लिए, जीवाश्म और संबंधित पुरातात्विक खोजों सहित, आवंटित, स्वीकृत और जारी की गई कुल धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) अब तक वास्तव में उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है और स्थल पर चल रहे कार्यों की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ङ) उक्त स्थल को क्षति, अतिक्रमण और पर्यावरणीय क्षरण से बचाने के लिए सरकार द्वारा किए गए विशिष्ट संरक्षण, सुरक्षा और परिरक्षण उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): तमिलनाडु राज्य में 412 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों/स्थलों सहित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की देखभाल और अनुरक्षण के अंतर्गत कुल 3686 केंद्रीय संरक्षित स्मारक/स्थल हैं। केंद्रीय बजट 2026-27 में, माननीय वित्त मंत्री ने देश भर में चयनित उत्खनन स्थल और धरोहर परिसर (देश) योजना के अंतर्गत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत तमिलनाडु राज्य के आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल सहित देश भर में 15 पुरातात्विक स्थलों के विकास की घोषणा की है।

(ग) और (घ): विगत पांच वर्षों के दौरान, जीवाश्म और इससे संबंधित पुरातात्विक निष्कर्षों सहित आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल के विकास और संरक्षण के लिए आवंटित, संस्वीकृत और जारी की गई कुल निधियों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

(राशि रुपये में)

वित्तीय वर्ष	आवंटन	व्यय
2020-21	14,762	14,762
2021-22	55,88,964	53,32,862
2022-23	84,06,206	84,06,171
2023-24	1,66,19,863	1,66,19,727
2024-25	47,03,292	23,60,927

तमिलनाडु राज्य के आदिचनल्लूर पुरातात्विक स्थल में संरक्षण से संबंधित दो कार्य निम्नानुसार चल रहे हैंः

1. प्रस्तावित संग्रहालय भवन में बाड़ लगाना।

2. उत्खनन स्थल के लिए सुरक्षात्मक आश्रय प्रदान किया जाना।

प्रस्तावित संग्रहालय भवन में बाड़ लगाने और उक्त उत्खनन स्थल के लिए सुरक्षात्मक आश्रय प्रदान करने का कार्य प्रगति पर है।

(ङ): तमिलनाडु राज्य के आदिचनल्लूर उत्खनन स्थल को क्षति, अतिक्रमण और पर्यावरणीय क्षरण से बचाने के लिए, उत्खनित खाइयों के लिए सुरक्षात्मक आश्रय प्रदान करने का कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा, इन उत्खनन स्थलों पर क्षति और अतिक्रमण को रोकने के लिए नियमित रूप से निगरानी और पहरा कर्मचारियों को भी तैनात किया गया है।

*****